PAPER-III
SANSKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J 2 5 1 6

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

SANSKRIT
संस्कृतम्
Paper – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति: (75)** बहुविकल्पीया: प्रश्ना: सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते । **सर्वे** प्रश्ना: समाधेया: ।

1. 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:' इत्युद्धरणं कस्मिन् स्थले वर्तते ?

(1) ऋग्वेदस्य हिरण्यगर्भसूक्ते (10.121)
(2) ऐतरेयब्राह्मणस्य शुन:शेप-इति-आख्याने
(3) ऋग्वेदस्य वाक्सूक्ते (10.125)
(4) अथर्ववेदस्य पृथिवीसूक्ते (12.1)

2. अथर्ववेदीय-पृथिवीसूक्तस्य (12.1) देवता वर्तते

(1) अप:
(2) सरस्वती:
(3) भूमि:
(4) ब्रह्मा:

3. 'अहं राष्ट्री सङ्गमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम् ।' इत्युद्धरणमस्ति –

(1) ऋग्वेदे वाक्सूक्ते (10.125)
(2) अथर्ववेदे पृथिवीसूक्ते (12.1)
(3) शुन:शेप-आख्याने
(4) ऋग्वेदे अग्निसूक्ते (1.1)

4. 'वाङ्मनस' इत्याख्यानमुपलभ्यते

(1) कौषीतकिब्राह्मणग्रन्थे
(2) शतपथब्राह्मणग्रन्थे
(3) ऐतरेय-आरण्यकग्रन्थे
(4) ऐतरेयब्राह्मणग्रन्थे

5. ऋग्वेदस्य आङ्गलभाषायां प्रथमोऽनुवाद: केन कृत: ?

(1) कोलब्रुकेण
(2) विल्सनेन
(3) वेबरेण
(4) मैक्षमूलरेण

6. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ? इति समीचीणं क्रम: चीयताम् ।

(a)	याज्ञवल्क्य-गार्गी संवाद:	(i)	ईशोपनिषद्
(b)	मातृ देवो भव । पितृ देवो भव । आचार्य देवो भव ।	(ii)	कठोपनिषद्
(c)	हिरण्यमयेन पात्रेण सत्यस्यापि हितं मुखम्	(iii)	बृहदारण्यकोपनिषद्
(d)	न वित्तेन तर्पणीयोमनुष्य:	(iv)	तैत्तिरीयोपनिषद्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

7. 'असतो मा सद्गमय । तमसो मा ज्योतिर्गमय ।
मृत्योर्मा अमृतं गमय ।' इत्युद्धरणं कुत्र वर्तते ?

(1) कठोपनिषदि (2) बृहदारण्यकोपनिषदि
(3) इशोपनिषदि (4) केनोपनिषदि

8. A ईशोपनिषद् शुक्लयजुर्वेदीया अस्ति ।
B 'अणोरणीयान्महतो महीयान्'
अस्यामेव उपनिषदि वर्तते ।
अनयो: कथनयोर्विषये उचितं युग्मं चिनुत ।

(1) A-सत्यम्/B-असत्यम् (2) AB उभे सत्ये स्त:
(3) A-असत्यम्/B-सत्यम् (4) AB उभे असत्ये स्त:

9. अधोऽङ्कितेषु एकमसत्यमस्ति

(1) "अन्धन्तम: प्रविशन्ति ये के चात्महनो जना:" इत्युद्धरणम् ईशोपनिषदि वर्तते ।
(2) ईशोपनिषदि दशमन्त्रा: सन्ति ।
(3) नचिकेतस: कथा कठोपनिषदि वर्तते ।
(4) नचिकेता: त्रीन् वरान् अयाचत ।

10. "नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुनाश्रुतेन" इति कथनमस्ति

(1) ईशोपनिषदि (2) केनोपनिषदि
(3) कठोपनिषदि (4) तैत्तिरीयोपनिषदि

11. निम्नलिखितेषु को ग्रन्थ: शिक्षावेदाङ्गस्य विद्यते ?

(1) छान्दोग्योपनिषद् (2) ऋक्प्रातिशाख्यम्
(3) पारस्करगृह्यसूत्रम् (4) कात्यायनश्रौतसूत्रम्

12. निम्नलिखितेषु निरुक्तस्य विषय: क: नास्ति ?

(1) वर्णविकार: (2) वर्णागम:
(3) वर्णोच्चारणम् (4) निर्वचनम्

13. श्रौतसूत्राणाम् प्रतिपाद्यम् किम् अस्ति ?

(1) श्रौतयज्ञा: (2) गृह्ययज्ञा:
(3) श्रौतार्थनिर्णय: (4) श्रौतवेदीनिर्माणम्

14. वैदिकपदानां शब्दकोश: कोऽस्ति ?

(1) बौधायनश्रौतसूत्रम् (2) आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्

(3) कात्यायनश्रौतसूत्रम् (4) निघण्टुः

15. निम्नलिखितेषु किं शब्दरूपं निरुक्तानुसारं निपात: अस्ति ?

(1) प्र (2) च

(3) उप (4) सम्

16. चत्वारि श्रृङ्गा त्रयो अस्य पादा द्वे शीर्षे सप्तहस्तासो अस्य ।
त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति महो देवो मर्त्यां आ विवेश ।।
– अत्र मन्त्रे प्रयुक्तस्य 'त्रयो अस्य पादा' इत्यस्य कीदृशं विवरणं प्रदत्तं महाभाष्यकृता ?

(1) उदात्तानुदात्तस्वरिता: (2) प्रथम-मध्यमोत्तमपुरुषा:

(3) एक-द्वि-बहुवचनानि (4) भूत-भविष्द्-वर्तमानकाला:

17. 'अर्णांसि सन्ति अस्मिन्' इति विग्रहे
'अर्णसो लोपश्च'इति वार्त्तिकनियमेन मत्वर्थीयप्रयोग: को भवति ?

(1) अर्णमान् (2) अर्णस्वान्

(3) अर्णव: (4) अर्णद्वान्

18. 'गति-बुद्धि-प्रत्यवसानार्थ-शब्दकर्माकर्मकाणामणिकर्ता स णौ' इति कारकसूत्रस्य अकर्मकधातोरुदाहरणमस्ति

(1) हरिर्वेदमध्यापयद् विधिम् (2) हरिरासयत् सलिले पृथ्वीम्

(3) हरिरमृतमाशयद् देवान् (4) हरि: शत्रून् स्वर्गमगमयत्

19. समीकरणम् कस्य परिवर्तनदिशा भवति ?

(1) अर्थस्य (2) ध्वने:

(3) प्रत्ययस्य (4) रूपस्य

20. मिथ्यासादृश्यस्य उदाहरणम् किमस्ति ?

(1) अग्गिस्स (2) रामस्य

(3) मुरारे: (4) हरये

21. सांख्य कारिकानुसारं तन्मात्रा: कस्मात् उत्पद्यन्ते ?

(1) पञ्चमहाभूतेभ्य: (2) अहङ्कारात्

(3) प्रधानात् (4) पुरुषात्

22. वेदान्तसारानुसारं पृथिव्यां कस्य अभिव्यक्ति: भवति ?
(1) केवलं गन्धस्य (2) रसस्य च गन्धस्य च
(3) रूपस्य च गन्धस्य च (4) शब्दस्पर्शरूपरसगन्धानाम्

23. 'अग्निहोत्रं जुहोती' त्यत्र 'अग्निहोत्र' शब्दस्य कर्मनामधेयत्वं कस्मान्निमित्तात् ?
(1) तत्प्रख्यशास्त्रात् (2) मत्वर्थलक्षणाभयात्
(3) वाक्यभेदात् (4) तद्व्यपदेशात्

24. अर्थसङ्ग्रहे 'वेदप्रतिपाद्य: प्रयोजनवदर्थो धर्म:' इति धर्मलक्षणे 'अर्थ' पदोपादानं किमर्थम् ?
(1) प्रयोजनेऽतिव्याप्तिवारणार्थम् (2) भोजनादावतिव्याप्तिवारणार्थम्
(3) अनर्थफलकत्वात् श्येनादावतिव्याप्तिवारणार्थम् (4) अनृतव्यावृत्त्यर्थम्

25. उत्पत्तिविधि: क उच्यते ?
(1) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधि: (2) प्रयोगप्राशुभावबोधको विधि:
(3) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधि: (4) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधि:

26. वाल्मीकिरामायणानुसारं सुग्रीवस्य पत्न्या: नाम आसीत्
(1) तारा (2) अहल्या
(3) रुमा (4) सुलोचना

27. वाल्मीकिरामायणमाश्रित्य कथा नास्ति यत्र
(1) रघुवंशम् (2) कुन्दमाला
(3) मालतीमाधवम् (4) जानकीहरणम्

28. महाभारतानुसारं वेदव्यासस्य मातु: नाम आसीत्
(1) सरस्वती (2) सत्यवती
(3) गङ्गा (4) सत्यभामा

29. शतसाहस्रीसंहिताया:अपरं नामास्ति
(1) सुश्रुतसंहिता (2) बृहदसंहिता
(3) महाभारतम् (4) विष्णु-पुराणम्

30. 'रासपञ्चाध्यायी' कस्मिन् पुराणे विद्यते ?
(1) शिवपुराणे (2) भागवतपुराणे
(3) लिङ्गपुराणे (4) अग्निपुराणे

31. अर्थशास्त्रे उद्धृतं 'पितृपैतामहानमात्यान् कुर्वीत' इति मतं कस्य ?

(1) कौणपदन्तस्य (2) वातव्याधे:

(3) बाहुदन्तीपुत्रस्य (4) कौटिल्यस्य

32. अर्थशास्त्रे उद्धृतं 'सहाध्यायिनोऽमात्यान्कुर्वीत' इति मतं कस्य ?

(1) विशालाक्षस्य (2) भारद्वाजस्य

(3) पराशरस्य (4) पिशुनस्य

33. कामाद् ब्राह्मणकन्यामभिमन्यमान: क: विननाश –

(1) कराल: (2) जनमेजय:

(3) दाण्डक्योनामभोज: (4) रावण:

34. मनुसंहितानुसारं कामजव्यसनं कतिविधम् भवति ?

(1) दशविधम् (2) अष्टविधम्

(3) पञ्चविधम् (4) त्रिविधम्

35. "अग्निदानाञ्च ये लोका ये च स्त्रीबालघातिनाम् स तान् सर्वानवाप्नोति –" इति याज्ञवल्क्यवचनं येन सम्बद्धम् तत् –

(1) वाक्पारुष्यम् (2) दण्डपारुष्यम्

(3) मिथ्यासाक्ष्यम् (4) सुरापानम्

36. शिशुपालवधे –

"विभिन्नशङ्ख: कलुषीभवन्मुहुर्मदेन दन्तीव मनुष्यधर्मण:" – कस्य वर्णना इयम् ?

(1) इन्द्रस्य (2) कुबेरस्य

(3) वरुणस्य (4) गणेशस्य

37. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां मेलनतालिकां चिनुत :

(a)	सतां सद्भि: सङ्ग: कथमपि हि पुण्येन भवति ।	(i)	शिशुपालवधम्
(b)	अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात् करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम् ।	(ii)	अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(c)	हंसो हि क्षीरमादत्ते तन्मिश्रा वर्जयत्यप: ।	(iii)	उत्तररामचरितम्
(d)	तपेन वर्षा: शरदा हिमागमो वसन्तलक्ष्म्या शिशिर: समेत्य च ।	(iv)	नैषधीयचरितम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

38. दशकुमारचरिते "अथ सोऽप्याचचक्षे – देव, मयापि परिभ्रमता कोऽपि कुमारः ...... दृष्टः" इत्यादिषु कस्य परिभ्रमणमुल्लिखितम् ?

(1) राजवाहनस्य (2) विश्रुतस्य

(3) अपहारवर्मणः (4) उपहारवर्मणः

39. काव्यप्रकाशे "वाक्ये एकस्मिन् यत्रानेकार्थता भवेत् ।" –
कस्यालङ्कारस्य परिभाषेयम् ?

(1) श्लेषस्य (2) रूपकस्य

(3) उपमायाः (4) विभावनायाः

40. "तस्याभावं जगदुरपरे भाक्तमाहुस्तमन्ये" – इत्युक्तिः कुत्र उपलभ्यते ?

(1) काव्यप्रकाशे (2) ध्वन्यालोके

(3) रसगङ्गाधरे (4) काव्यादर्शे

41. अभिज्ञानशाकुन्तले दुर्वाससः शापः कस्य उदाहरणं भवति ?

(1) प्रवेशकस्य (2) चूलिकायाः

(3) विष्कम्भकस्य (4) अङ्कावतारस्य

42. 'पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः ।'
उत्तररामचरिते कस्येयमुक्तिः ?

(1) तमसायाः (2) मुरलायाः

(3) वासन्त्याः (4) सीतायाः

43. "सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जनः ।
क इह दुष्करं कुर्य्यादिदानीं शिविना विना ।।"
मुद्राराक्षसे इयमुक्तिर्भवति –

(1) राक्षसस्य (2) चाणक्यस्य

(3) चन्दनदासस्य (4) भागुरावणस्य

44. आसु का नाट्यवृत्तिर्न भवति –

(1) कैशिकी (2) आरभटी

(3) अभिधा (4) भारती

45. दशरूपकानुसारं प्रहसनं भवति –

(1) द्विविधम् (2) त्रिविधम्

(3) चतुर्विधम् (4) पञ्चविधम्

46. 'अनुमितिप्रतिबन्धकयथार्थज्ञानविषयत्वम्' इति कस्य लक्षणम् ?

(1) पक्षस्य (2) विपक्षस्य

(3) हेत्वाभासस्य (4) केवलव्यतिरिकिलिङ्गस्य

47. तन्तुसंयोग: पटस्य कीदृशं कारणमुच्यते ?

(1) समवायिकारणम् (2) असमवायिकारणम्

(3) निमित्तकारणम् (4) तादात्म्यकारणम्

48. तर्कभाषायामर्थापत्ति: कुत्रान्तर्भाविता ?

(1) प्रत्यक्षप्रमाणे (2) अनुमानप्रमाणे

(3) उपमानप्रमाणे (4) शब्दप्रमाणे

49. 'साध्यव्यापकत्वे सति साधनाव्यापक:' इति कस्य लक्षणम् ?

(1) स्वरूपासिद्धहेत्वाभासस्य (2) उपाधे:

(3) आश्रयासिद्धस्य (4) कालात्ययापदिष्टस्य

50. सञ्ज्ञासञ्ज्ञिसम्बन्धप्रतीति: किमुच्यते ?

(1) अनुमिति: (2) प्रत्यक्षम्

(3) उपमिति: (4) शब्द:

51. 'ऊर्ध्वं मधुधा दिवि पाजो ओत् प्र रोचना रुरुचे रण्व संदृक्' इतिमन्त्रांशो वर्तते –

(1) उषस्सूक्ते (2) वरुणसूक्ते

(3) पर्जन्यसूक्ते (4) कालसूक्ते

52. यजुर्वेदीय शिवसंकल्पमन्त्राणां क: ऋषि: ?

(1) शिवसंकल्प: (2) मनस्

(3) गौतम: (4) विश्वामित्र:

53. ब्राह्मणग्रन्थानां विषयो नास्ति –

(1) छन्दोविवेचनम् (2) पुराकल्प:

(3) विधि: (4) प्रशंसा

54. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारं निम्नाङ्किततेषु समानाक्षरं नास्ति –

(1) ऊ (2) ऋ
(3) ए (4) आ

55. 'अथ आकारचिन्तनं देवतानाम्' इति कथनम् अस्ति –

(1) कौषीतकिब्राह्मणग्रन्थे (2) ऋक्प्रातिशाख्ये
(3) निरुक्ते (4) तैत्तिरीयोपनिषदि

56. शब्दब्रह्मण: अनुकार: क: अस्ति ?

(1) वेद: (2) सगुणब्रह्म
(3) अक्षरम् (4) स्फोट:

57. शब्दस्य ग्राह्यत्वशक्ति: का भवति ?

(1) ययाशब्दस्य स्वरूपं प्रकाश्यते (2) ययाशब्द: भिन्नान् अर्थान् बोधयति
(3) ययाशब्देन अर्थबोधो भवति (4) ययाधर्मस्य प्राप्तिर्भवति

58. 'अनुगङ्गम् वाराणसी' इत्यत्र 'अनुगङ्गम्' इति समस्तपदे अव्ययीभावसमासविधायकं सूत्रं किमस्ति ?

(1) अनुर्यत्समया (2) सह सुपा
(3) लक्षणेनाभिप्रती आभिमुख्ये (4) यस्य चायाम:

59. 'आक्रमते सूर्य:' इत्यत्रात्मनेपदविधायकं सूत्रं किमस्ति ?

(1) वृत्तिसर्गतायनेषु क्रम: (2) आङ उद्गमने
(3) वे: पादविहरणे (4) आङो यमहन:

60. वेदस्य घ्राणं किमुच्यते ?

(1) शिक्षा (2) छन्द:
(3) कल्प: (4) निरुक्तम्

61. व्यासभाष्यानुसारं चित्तभूमय: कति सन्ति ?

(1) पञ्च (2) चतस्र:
(3) षट् (4) सप्त

62. 'शारीरकभाष्यम्' इति नाम्ना प्रसिद्धं भाष्यं कं ग्रन्थं अधिकृत्य वर्तते ?

(1) चरकसंहिताम्
(2) भावप्रकाशम्
(3) ब्रह्मसूत्रम्
(4) माण्डूक्योपनिषदम्

63. 'तादात्म्यसम्बन्धावच्छिन्नप्रतियोगिकोऽभाव:' को भवति ?

(1) अन्योन्याभाव:
(2) प्रागभाव:
(3) प्रध्वंसाभाव:
(4) अत्यन्ताभाव:

64. सिषाधयिषया शून्या सिद्धिर्यत्र न तिष्ठति, स किमुच्यते ?

(1) व्याप्ति:
(2) पक्ष:
(3) परामर्श:
(4) सपक्ष:

65. जैनदर्शनं कं सिद्धान्तं न मन्यते ?

(1) कर्मवासनासिद्धान्तम्
(2) कर्मफलस्यक्रमजन्यता-सिद्धान्तम्
(3) कर्मफलनाशसिद्धान्तम्
(4) आत्मनो नित्यतासिद्धान्तम्

66. "प्रयोजनेन सहितं लक्षणीयं न युज्यते" – इत्युक्ति: केन सम्बद्धा ?

(1) व्यञ्जनाया: पृथग्वृत्तित्वस्वीकारेण ।
(2) अभिधाया: प्राथम्येन ।
(3) लक्षणाया: गौणत्वस्वीकारेण ।
(4) तात्पर्यार्थस्वीकारेण ।

67. काव्यप्रकाशे "परोक्तिर्भेदकै: श्लिष्टै:" इति कस्यालङ्कारस्य लक्षणम् ?

(1) श्लेषस्य
(2) उपमाया:
(3) समासोक्ते:
(4) वक्रोक्ते:

68. पण्डितराजश्रीजगन्नाथमतानुसारं –
रमणीयार्थप्रतिपादकस्य कस्य काव्यत्त्वं भवति ?

(1) रसस्य
(2) अर्थस्य
(3) अलङ्कारस्य
(4) शब्दस्य

69. "धर्मादिसाधनोपाय: सुकुमारक्रमोदित:
काव्यबन्धोऽभिजातानां हृदयाह्लादकारक: ।।"
काव्यफलविषये श्लोकोऽयमस्ति –

(1) रसगङ्गाधरे
(2) काव्यप्रकाशे
(3) वक्रोक्तिजीविते
(4) काव्यादर्शे

70. शब्दरीतिनिर्णयविषये कस्य ग्रन्थकारस्य नाम राजशेखरेण काव्यमीमांसायां प्रथमेऽध्याये उल्लिखितम् ?

(1) प्रचेतस:

(2) चित्राङ्गदस्य

(3) पराशरस्य

(4) सुवर्णनाभस्य

71. प्राचीनाभिलेखेषु 'प्रियदर्शी' इत्युपाधिरस्ति –

(1) कनिष्कस्य

(2) अशोकस्य

(3) हर्षस्य

(4) समुद्रगुप्तस्य

72. हरिषेणेन रचित: अस्ति –

(1) महरौली-लौह-स्तम्भ – अभिलेख:

(2) स्कन्दगुप्तस्य गिरनार – शिलालेख:

(3) चन्द्रगुप्तस्य मथुरा – अभिलेख:

(4) समुद्रगुप्तस्य अलाहाबाद – स्तम्भलेख:

73. भारतवर्षस्य यत्र उल्लेखोऽस्ति –

(1) खारवेलस्य हाथी-गुम्फा – अभिलेख:

(2) चन्द्रगुप्तस्य मथुरा – अभिलेख:

(3) स्कन्दगुप्तस्य भितरी – अभिलेख:

(4) कुमारगुप्तस्य बिलसद – स्तम्भलेख:

74. भारतस्य प्राचीनतमा लिपि: –

(1) देवनागरी

(2) शारदा

(3) ब्राह्मी

(4) खरोष्ठी

75. वत्सभट्टिरचित: अभिलेख: अस्ति –

(1) चन्द्रगुप्तस्य मथुरा – अभिलेख:

(2) तन्तुवायश्रेण्या: मन्दसौर – अभिलेख:

(3) स्कन्दगुप्तस्य गिरनार – अभिलेख:

(4) प्रभावतीगुप्ताया: पूना-ताम्रपट्ट – अभिलेख:

Space For Rough Work